माँ अन्नपूर्णा की आरती

बारम्बार प्रणाम मैया, बारम्बार प्रणाम !

जो नहिं ध्यावे तुम्हें अम्बिके, कहाँ उसे विश्राम ।

अन्नपूर्णा देवी नाम तिहारो, लेत होत सब काम ।

प्रलय युगान्तर और जन्मान्तर, कालान्तर तक नाम ।

सुर असुरों की रचना करती, कहाँ कृष्ण कहँ राम ।

चूमहिं चरण चतुर चतुरानन, चारु चक्रधर श्याम ।

चन्द्र चूड़ चन्द्रानन चाकर, शोभा लखहिं ललाम ।

देवि देव ! दयनीय दशा में, दया दया तब नाम

त्राहि-त्राहि शरणागत वत्सल, शरणरूप तब धाम

श्री ह्रीं श्रद्धा श्री ऐं विद्या, श्री क्लीं कमला काम

कान्ति भ्रांतिमयी कांति शांतिमयी, सयीवर दे तू निष्काम

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in